

श्रीलक्ष्मीउयत्रीवपञ्चरत्नम्

Shri Lakshmihayagriva Pancharatnam

sanskritdocuments.org

March 15, 2018

---

# Shri Lakshmihayagriva Pancharatnam

श्रीलक्ष्मीहयग्रीवपञ्चरत्नम्

## Sanskrit Document Information

---

Text title : lakShmIhayagrIvapancharatnam

File name : lakShmIhayagrIvapancharatnam.itx

Category : vishhnu, vishnu, lakShmI, pancharatna, devii

Location : doc\_vishhnu

Transliterated by : Rujuta rujuta5879 at gmail.com

Proofread by : Rujuta rujuta5879 at gmail.com

Latest update : March 15, 2018

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

March 15, 2018

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Lakshmihayagriva Pancharatnam

---

## श्रीलक्ष्मीलयग्रीवपञ्चरत्नम्

---



ज्ञानानन्दात्मलात्मा कलिकलुषमहातूलवातूलनामा  
सीमातीतात्मभूमा मम उयवदना देवता धावितारिः ।  
याता श्वेताञ्जमध्यं प्रविमलकमलस्रग्धराद्गुग्धराशिः  
स्मेरा सा राजराजप्रभृतिनुतिपदं सम्पदं संविधत्ताम् ॥ १ ॥

ताराताराधिनाथस्कृष्टिकमणिसुधाडीरडाराभिरामा  
रामा रत्नाब्धिकन्याकुचलिकुचपरीरम्भसंरम्भधन्या ।  
मान्याऽनन्यार्द्धास्यप्रागतततिपरित्राणसत्तात्तदीक्षा  
दक्षा साक्षात्कृतैषा सपदि उयमुष्णी देवता साऽवतात्रः ॥ २ ॥


अन्तर्ध्वान्तस्य कल्यं निगमलुदसुरध्वंसनैकान्तकल्यं  
कल्याणानां गुणानां जलधिमम्बिनमद्धान्धवं सौन्धवास्यम् ।  
शुभ्रांशु भ्राजमानं दधतमरिदरौ पुस्तकं उस्तकञ्जैः  
भद्रां व्याप्यानमुद्रामपि लृदि शरणं याम्युदारं सदारम् ॥ ३ ॥


वन्दे तं देवमाद्यं नमदमरमडारत्नकोटीरकोटी-  
वाटीनियत्ननिर्यङ्गुणैगणमसृणीभूतपादांशुजातम् ।  
श्रीमद्रामानुजार्यश्रुतिशिभरगुरुभ्रतन्त्रस्वतन्त्रैः  
पूज्यं प्राज्यं सभाज्यं कलिरिपुगुरुभिश्शश्वदश्वोत्तमाङ्गम् ॥ ४ ॥

विद्या लृधाऽनवधा यदनघकरुणासारसारप्रसारात्  
धीराधाराधरायामजनि जनिमतां तापनिर्वापयित्री ।  
श्रीकृष्ण भ्रतन्त्रादिमपदकलिजित्संयमीन्द्रार्थितं तत्  
श्रीमद्धामातिभूम प्रथयतु कुशलं श्रीलयग्रीवनाम ॥ ५ ॥

इति श्रीकृष्णभ्रतन्त्रपरकालमडारेशिककृतिषु  
श्रीलक्ष्मीलयग्रीवपञ्चरत्नं नाम स्तोत्रं समाप्तम् ॥

Encoded and proofread by Rujuta rujuta5879 at gmail.com

——  
*Shri Lakshmihayagriva Pancharatnam*  
pdf was typeset on March 15, 2018

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

